दैनिक

न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शनिवार 28 दिसम्बर 2019 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-02, अंक- 90

दण्डामी माड़िया नर्तकों के साथ थिरके राहुल और समूचा मंत्रिमंडल

» राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव का रंगारंग आगाज

रायपुर। राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव 2019 का आज रंगारंग शुभारंभ हुआ, जिसमें देश-विदेश से आए कलाकारों ने पारम्परिक वेशभूषा में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। प्रदेश का विख्यात दण्डामी माड़िया नृत्य की प्रस्तुति के दौरान मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित लोकसभा सदस्य राहुल गांधी सहित प्रदेश का समूचा मंत्रिमंडल भी मंच पर थिरका।

भारत की जनजातियों की कला, संस्कृति एवं जीवन शैली पर आधारित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव के तीन दिवसीय आयोजन का आगाज आज स्थानीय साईंस कॉलेज मैदान परिसर में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित लोकसभा सदस्य राहुल गांधी उपस्थित थे। मेजबान प्रदेश छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित प्रदेश मंत्रिमंडल के मंत्रीगणों की मौजूदगी में आज सुबह आदिवासी नृत्य महोत्सव प्रारंभ हुआ। इस दौरान सभी लोक कला नर्तकों के द्वारा आकर्षक झांकी निकाली गई साथ ही देश-विदेश के नर्तकों ने अपनी उत्कृष्ट आदिवासी संस्कृति एवं परम्परा पर आधारित नृत्य का प्रदर्शन किया। बेलारूस से आए विदेशी नर्तकों ने भाव-मुद्रा पर आधारित नृत्य मंच पर पेशकश प्रस्तुत की, जिसने दर्शकों से काफी तालियां बटोरीं। इसके बाद अरूणाचल प्रदेश के इन्दू समुदाय के कलाकारों के द्वारा विख्यात नृत्य किया गया। यह नृत्य पूर्वजों एवं देवताओं के आव्हान स्वरूप पारम्परिक अनुष्ठान बंधुत्व को बचाये रखने के लिए किया जाता है, जिसे स्थानीय भाषा में रेह केनेहा उत्सव के नाम से जाना जाता है।

तदुपरांत केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख से आए कलाकारों ने फ्लावर डान्स कर क्षेत्रीय संस्कृति से अवगत कराया। इसके बाद कर्नाटक के यायावरी जीवन व्यतीत करने वाले आदिवासियों के द्वारा सुगली नृत्य प्रस्तुत किया गया। यह नृत्य राजस्थानी संस्कृति एवं वेशभूषा से काफी मिलता-जुलता है, जो आर्य संस्कृति पर आधारित है। तदुपरांत छत्तीसगढ़ के दण्डामी माड़िया नृत्य बस्तर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया। सिर पर सींग और मोर पंख लगाए महिला और पुरूष नर्तकों ने मंच पर बेहतरीन प्रस्तुति दी।

इस दौरान मुख्य अतिथि राहुल गांधी, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मंच पर प्रस्तुति दे रहे कलाकारों के साथ थिरके। प्रदेश के आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने हाथों में ढोल लेकर थाप लगाते हुए दण्डामी नृत्य किया। इस दौरान प्रदेश मंत्रिमंडल के मंत्रीगण भी मंच पर थिरके।

महत्वपूर्ण एवं खास

टीवी अभिनेता कुशल पंजाबी ने की खुदकुशी

मुंबई (आरएनएस)। टीवी अभिनेता कुशल पंजाबी का गुरुवार रात अपने घर पर लटका शव मिला। कुशल पंजाबी की उम्र 37 साल है। उनके आकस्मिक निधन से टीवी इंडस्ट्री के सितारे और प्रशंसक काफी सदमे में हैं। मिली जानकारी के अनुसार, कुशल डिप्रेशन से गुजर रहे थे। साथ ही उनकी हेयर ट्रांसप्लांट सर्जरी गड़बड़ हो गई थी। कुशल पंजाबी के निधन की खबर एक्टर करणवीर बोहरा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से दी। कुशल करणवीर अच्छे दोस्त थे। कुशाल पंजाबी फिल्म ऋतिक रोशन की फिल्म लक्ष्य, काल, सलमान खान की फिल्म सलाम- ए- इश्क और गोल जैसी फिल्मों में भी काम किया है।

उत्सर्जन मानक बीएस-6 को अनिवार्य बनाए जाने पर सरकार ने मांगे सुझाव

नईदिल्ली (आरएनएस)। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने चार पहियों वाले छोटे वाहनों के लिए देश में उत्सर्जन मानक बीएस-6 को अनिवार्य बनाए जाने के लिए नियम 115 में प्रस्तावित संशोधन पर लोगों से सुझाव मांगे हैं। सरकार ऐसे छोटे वाहनों के लिए 1 अप्रैल 2020 से बीएस-6 उत्सर्जन मानक लाने की तैयारी में है। प्रस्तावित संशोधन के माध्यम से नियम-115 में उपनियम 17ए के बाद 17बी को शामिल किये जाने की तैयारी है। नियम 115 को 1 जून, 2018 को जीएसआर 518 के माध्यम से अधिसूचित किया गया था। प्रस्तावित उत्सर्जन मानक (ओबीडी) यूरोपीय देशों में लागू उत्सर्जन मानकों के अनुरूप हैं। इसके तहत उत्सर्जन जांच लैंडिंग/एक्सिलेरेशन के लिए है। चार पहिये वाले छोटे वाहनों के लिए गैस उत्सर्जन और वाहनों की टिकाऊपन की जांच भी यूरोपीय देशों में लागू उत्सर्जन मानक-5 के अनुरूप किये जाने की व्यवस्था है।

अब भारत के 125 करोड़ निवासियों के पास है आधार

नईदिल्ली (आरएनएस)। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने यह घोषणा की है कि आधार परियोजना ने 125 करोड़ के अंक को पार करके नई उपलब्धि हासिल की है। इसका मतलब यह है कि भारत के 125 करोड़ से अधिक निवासियों के पास 12 अंकों की विशिष्ट पहचान उपलब्ध है। यह उपलब्धि आधार धारकों द्वारा आधार के प्राथमिक पहचान दस्तावेज के रूप में तेसे बढ़ते उपयोग के कारण हासिल हुई है। यह इस तथ्य से यह स्पष्ट है कि आधार-आधारित प्रमाणीकरण सेवाओं का शुरूआत से अब तक लगभग 37,000 करोड़ बार उपयोग हो चुका है। वर्तमान में यूआईडीएआई को प्रतिदिन लगभग 3 करोड़ प्रमाणीकरण अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं। इसके अलावा आज नागरिक आधार में अपने विवरण को अद्यतन रखने के अधिक इच्छुक हैं। यूआईडीएआई ने अब तक लगभग 331 करोड़ सफल आधार अपडेट (बायोमेट्रिक और जनसांख्यिकीय) दर्ज किए हैं। वर्तमान में यूआईडीएआई को रोजाना लगभग 3-4 लाख आधार अपडेट अनुरोध प्राप्त हो रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने एलपीसंयंत्र खुलने पर ओड़िशावासियों को दी बधाई

बलांगीर,27 दिसंबर (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ओडिशा के बलांगीर में तेल विपणन कंपनी भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) द्वारा लगाये गए एक एलपीसंयंत्र का आज उद्घाटन करने जाने वाले थे। वे वहां राजेन्द्र कालेज की 75 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में भी भाग लेने वाले थे लेकिन बलांगीर में खराब मौसम के कारण उनका हेलिकाप्टर रायपुर से बलांगीर के लिए उड़ान नहीं भर सका। नायडू ने तीन घंटे रायपुर हवाई अड्डे पर प्रतीक्षा की लेकिन दृश्यता खराब रहने के कारण हेलीकाप्टर की उड़ान रद्द करनी पड़ी ऐसे में उपराष्ट्रपति ने ऑडियो संदेश के जरिए बलांगीर के लोगों को नये संयंत्र की बधाई दी।

उत्तर भारत में घने कोहरे से दिल्ली आने वाली 21 ट्रेनें पहुंच रही हैं देरी से

नईदिल्ली (आरएनएस)। उत्तर भारत के कई क्षेत्रों में घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली करीब 21 ट्रेनें अपने निर्धारित समय से देर से पहुंच रही हैं। यह जानकारी रेलवे के अधिकारियों ने शुक्रवार को दी। उत्तर रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 21 ट्रेनें अपने तय समय से दो से छह घंटे की देरी से चल रही हैं।

उन्होंने कहा कि जबलपुर-नई दिल्ली महाकौशल एक्सप्रेस छह घंटे की देरी से, रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस 4.15 घंटे से भी अधिक देरी से, कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस 3.30 घंटे की देरी से, जबकि मालदा-नई दिल्ली फरक्का एक्सप्रेस 3.45 घंटे की देरी से चली है।

यहां तक कि गया-नई दिल्ली महाबोधि एक्सप्रेस अपने तय समय से 3.30 घंटे देरी से चली और हावड़ा-नई दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस दो घंटे की देरी से और चेन्नई-नई दिल्ली तमिलनाडु एक्सप्रेस भी दो घंटे की देरी से चली है। गुरुवार को भी घने कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली करीब 25 ट्रेनें अपने तय समय से काफी देर से पहुंची थीं।

हाल के आंकड़ों को नीतिगत, विधाई और संस्थागत बदलावों के परिपेक्ष्य में देखना चाहिए:नायडू

- » कर और कर्ज का अनुशासन अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक
- » मंदी मुक्त अर्थव्यवस्था की स्वाभाविक चक्रीय प्रवाह का अंग है, निजी क्षेत्र मुक्त बाजार के इस अस्थाई दौर को स्वीकार करे
- » ईज ऑफडूइंग बिजनेस का लाभ छोटे शहरों के सूक्ष्म, लघु और मध्यम श्रेणी के उद्यमियों को भी मिले
- » 2022 तक किसानों की आमदनी दुगुना करने, सबको सस्ता आवास मुहैय्या करने, बिजली और पेय जल उपलब्ध कराने जैसे लक्ष्य महत्वाकांक्षी, विगत 75 वर्षों में ये लक्ष्य पूरे किए जाने चाहिए थे
- » उपराष्ट्रपति ने इंडियन इकोनॉमिक एसोसिएशन के 102 वें सम्मेलन का उद्घाटन किया

रायपुर (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने शुक्रवार को कहा कि हाल के जीडीपी के आंकड़ों के बावजूद, भारत विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। आंकड़ों का विश्लेषण हाल के वर्षों में हुए नीतिगत बदलावों के संदर्भ में करने की आवश्यकता बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि कोई भी एक आंकड़ा अपने आप में किसी भी अर्थव्यवस्था की तत्कालीन वस्तु स्थिति या उसकी भावी संभावनाओं को ज़ाहिर नहीं कर सकता, जब तक कि उसे हाल की नीतियों, वैधानिक तथा संस्थागत संरचना में किए गए बदलावों के परिपेक्ष्य में न देखा जाय। विमुद्रिकरण तथा जीएसटी के बाद बढ़े कर आधार तथा बैंकों में बढ़ते एनपीए की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कर और कर्ज का अनुशासन अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जीएसटी के लागू होने के बाद 66 लाख नए करदाता शामिल हुए हैं। नायडू ने कहा कि कड़े राजकोषीय तथा मौद्रिक अनुशासन के साथ तेज़ वृद्धि दर बनाए रखने के लिए कड़े नीतिगत फैसले और विधाई हस्तक्षेप आवश्यक है।

अर्थव्यवस्था में अस्थाई सुस्ती के दौर को बाज़ार की स्वाभाविक चक्रीय प्रवाह बताते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र तथा अर्थशास्त्रियों से कहा कि ये समझना होगा कि मुक्त बाजार व्यवस्था में संभावित मंदी एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। ये अर्थव्यवस्था के नैसर्गिक चक्रीय प्रवाह का अंग है। निजी क्षेत्र को मुक्त बाजार में इस अस्थाई दौर को स्वीकार करना होगा जिसका समाधान स्वाभाविक रूप से अर्थव्यवस्था में ही होता है। उन्होंने अर्थ व्यवस्था में तेज़ी लाने के लिए सरकार द्वारा किए गए उपायों का उल्लेख किया।

जोधपुर में मिग-27 'बहादुर' ने भरी आखिरी उड़ान

नईदिल्ली (आरएनएस)। साल 1999 के करगिल युद्ध में अहम भूमिका निभाने वाले और भारतीय वायुसेना में तीन दशक से अधिक समय तक सेवा में रहने वाले लड़ाकू विमान मिग-27 ने शुक्रवार को राजस्थान के जोधपुर एयरबेस पर आखिरी उड़ान भरी. विदाई के दौरान मिग-27 को सलामी दी गई.

बता दें कि मिग-27 मूल रूप से रूसी लड़ाकू विमान है, जिसका डिजाइन और निर्माण सोवियत संघ के मिकोयना-गुरविच ब्यूरो ने किया था. बाद में इस विमान के निर्माण और डिजाइन का लाइसेंस लेकर इसका निर्माण भारत में किया गया. भारत में बने मिग-27 विमान को बहादुर नाम दिया गया. हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने शुरू में 167 मिग-27 बनाए थे, जिनमें 86 का अपग्रेडेशन किया गया था. इन विमानों को 1985 में भारतीय वायुसेना के बेड़े में शामिल किया गया था.

स्विंग..विंग फ्लीट वाले मिग-27 लड़ाकू विमान की खास बात ये है कि इसे आगे या पीछे करके इसकी स्पीड कम और ज्यादा की जा सकती है. स्पीड कम करने से किसी भी लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाने में मदद मिलती थी. मिग-27 की इसी खासियत की वजह से

भारत ने इस लड़ाकू विमान को रूस से खरीदा था. इस लड़ाकू विमान में काफी आधुनिक सिस्टम लगाए गए थे. इसी के साथ इसमें वेपन कंप्यूटर भी लगे थे. इन कंप्यूटर की मदद से अलग-अलग हथियारों को दागने में मदद मिलती थी. यह विमान एक साथ चार हजार किलोग्राम के हथियार ले जाने की क्षमता रखता है.

रक्षा मंत्रालय ने कहा, इस बेड़े ने ऐतिहासिक करगिल युद्ध के दौरान गौरव हासिल किया था, जब इसने दुश्मन के ठिकानों पर रॉकेट और बम सटीकता से गिराये थे. इस बेड़े ने ऑपरेशन पराक्रम में भी सक्रिय भूमिका निभायी थी. वहीं भारतीय वायुसेना ने ट्वीट किया, भारतीय वायु सेना के बेड़े में 1985 में शामिल किया गया यह अत्यंत सक्षम लड़ाकू विमान ज़मीनी हमले की क्षमता का आधार रहा है. वायु सेना के सभी प्रमुख ऑपरेशन्स में भाग लेने के साथ मिग-27 नें 1999 के कारगिल युद्ध में भी एक अभूतपूर्व भूमिका निभाई थी.

राजनाथ ने डेफएक्सपो 2020 मोबाइल ऐप लॉन्च किया

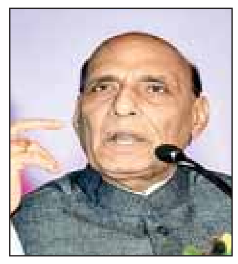

नईदिल्ली (आरएनएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आगामी डेफएक्सपो 2020 के मोबाइल ऐप को लॉन्च किया। यह ऐप एप्पल ऐप स्टोर और एंड्रॉयड प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। इस ऐप की मुख्य विशेषताएं 'इंफॉर्म, इंगेज, फीडबैक' हैं। ऐप में दैनिक आयोजनों, हिस्सा लेने वाले प्रदर्शनकर्ताओं, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, सेमिनार/वेबिनार में हिस्सा लेने वाले मेहमान वक्ताओं, इलेक्ट्रॉनिक पुस्तिकाओं व ई-पुस्तकों जैसे प्रकाशन, स्थलों के मानचित्र व दिशा-निर्देश तथा शहर के मौसम की विस्तृत जानकारी उपलब्ध है।

इस ऐप को रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा उत्पादन विभाग ने विकसित किया है, जिसका उद्देश्य आगंतुकों तथा प्रदर्शनकर्ताओं को सहायता प्रदान करना है। ऐप की अन्य विशेषताओं में व्यापार के मद्देनजर प्रदर्शनकर्ताओं का संपर्क, प्रदर्शनकर्ताओं की आपसी बातचीत, टिकट बुकिंग, तंबू आधारित शहरों (टेंटेड सिटी) में निवास सुविधा, पुश नोटिफिकेशन और सोशल मीडिया शामिल हैं। फीडबैक प्रणाली ऐप की एक अन्य प्रमुख विशेषता है, ताकि आयोजन के दौरान गतिविधियों में सुधार लाया जा सके। उन्होंने डेफएक्सपो 2020 की तैयारियों का भी जायजा लिया। समीक्षा बैठक के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने रक्षा मंत्री को अवगत कराया कि अब तक 880 से अधिक प्रदर्शनकर्ताओं ने पंजीकरण कराया है, जो एक रिकॉर्ड है।

'शहरी समृद्धि उत्सव' पर राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ होगी परामर्श कार्यशाला

नईदिल्ली (आरएनएस)। आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के तहत दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (डीएवाई-एनयूएलएम) 30 दिसंबर को नई दिल्ली में सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ शहरी समृद्धि उत्सव (एसएसयू) 2020 के लिए रूपरेखा तैयार करने के बारे में एक परामर्श बैठक आयोजित करेगा। इस कार्यशाला में एसएसयू 2019 के पहले संस्करण से प्राप्त जानकारी के बारे में विचार-विमर्श किया जाएगा और 28 मार्च से 12 अप्रैल, 2020 तक आयोजित किए जाने वाले एसएसयू 2020 के आगामी संस्करण के बारे में रणनीति और योजना तैयार की जाएगी। इस कार्यशाला में राज्य शहरी आजीविका मिशन राज्य कौशल विकास मिशन और अन्य भागीदारों के अलावा मंत्रालय के अधिकारी भी भाग लेंगे। यह सह-निर्माण कार्य योजना के बारे में राज्यों के साथ एसएसयू 2020 के लिए एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया वाला प्रयास है, ताकि यह सुनिश्चित हो कि विकास प्रक्रिया से जुड़े उत्पाद वास्तविक और समावेशी हों। इस कार्यशाला में स्ट्रीट वेंडर्स एक्ट को लागू करने के बारे में विस्तृत विचार-विमर्श के अलावा पलम्बिंग क्षेत्र में शहरी लाभार्थियों के लिए कौशल विकास के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

फिट इंडिया को बढ़ावा देने हर्षवर्धन और रिजिजू ने की बैठक

नईदिल्ली (आरएनएस)। एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में यह निर्णय लिया गया है कि स्वास्थ्य और परिवार कल्याण, युवा मामले और खेल मंत्रालयों की गतिविधियों का परस्पर समावेश किया जाएगा ताकि इस साल के शुरू में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रीय 'फिट इंडिया' अभियान पर मिल-जुलकर जोर दिया जा सके। इस आंदोलन की शुरूआत दैनिक जीवन में शारीरिक गतिविधियों और खेलों को शामिल करके लोगों को स्वस्थ और फिट बने रहने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु की गई थी। डॉ. हर्षवर्धन ने ऐसा देश के विभिन्न आयु वर्गों के लोगों में शारीरिक फिटनेस को लोकप्रिय बनाने के लिए बेहतर दृष्टिकोण और तालमेल के लिए दोनों मंत्रालयों के समावेशी कार्यों का रेखाचित्र बनाने के बारे में युवा मामले और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) किरन रिजिजू से मुलाकात के बाद कहा।

डॉ. हर्षवर्धन ने कहा कि उनका मंत्रालय फिटनेस और आरोग्य के बारे में राष्ट्रव्यापी चेतना पैदा करने के लिए चिकित्सा संस्थानों और आईएमए जैसे संगठनों के साथ-साथ स्वास्थ्य मंत्रालय के सभी संस्थानों के साथ मिलकर कार्य करेगा। मंत्रालय राज्य सरकारों, राज्य स्वास्थ्य मंत्रियों और विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के प्राचार्यों के साथ भी सक्रिय रूप से कार्य करेगा। इसके अलावा समुदायों के साथ घनिष्ठ सहयोग से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को लागू करने वाले स्वास्थ्य पदाधिकारियों को भी इसमें शामिल किया जाएगा।

फिट इंडिया अभियान को लोकप्रिय बनाने के लिए अब दोनों मंत्रालयों की गतिविधियों का समावेश होगा, क्योंकि इस राष्ट्रीय अभियान का उद्देश्य सकारात्मक, निवारक और प्रोत्साहक स्वास्थ्य और आरोग्य के लिए लोगो को प्रोत्साहित करना है।